मूल्य 1 रु.
वर्षः 13 - अंक : 243, मुंबई, शुक्रवार, 17 नवंबर, 2023 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त (R)
अब हर सच होगा उजागर

15 मिनट में पूरा होगा मुंबई से नवी मुंबई का सफर

25 दिसंबर को खुलेगा मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक ब्रिज!

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मुंबई। मुंबई को नवी मुंबई से जोड़ने वाली बहुप्रतीक्षित मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक (एमटीएचएल) ब्रिज जल्द आम जनता के लिए खुल जाएगी। खबर है कि एमटीएचएल ब्रिज का शुभारंभ दिसंबर में होगा और यह 25 दिसंबर से यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। एमटीएचएल ब्रिज देश का सबसे लंबा समुद्री पुल है। इसके अलावा यह देश का ऐसा पहला पुल भी होगा जिसपर 'ओपन रोड टोलिंग' प्रणाली की सुविधा मौजूद होगी। (शेष पृष्ठ 3 पर)

जरांगे की बड़ी घोषणा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठा समुदाय के आंदोलन की आग बुझने का नाम नहीं ले रही है। दिन-ब-दिन ये आंदोलन आगे बढ़ता नजर आ रहा है। जैसा की हम सब जानते है मराठा समुदाय को ओबीसी से आरक्षण देने की मांग को लेकर मनोज जारांगे पाटिल ने आंदोलन शुरू कर दिया है।

जरांगे की बैठकें

ऐसे में अब उनकी महाराष्ट्र भर में अलग-अलग जगहों पर बैठकें हो रही हैं। उन्होंने आरक्षण देने के लिए सरकार को 24 दिसंबर तक की डेडलाइन दी है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि अगर इस तारीख तक मराठा समाज को आरक्षण नहीं मिला तो वह फिर से बड़ा आंदोलन शुरू करेंगे।
(शेष पृष्ठ 3 पर)

24 दिसंबर के बाद 'यहां' होगा मराठा समुदाय का अगला आंदोलन

यहां होगा अगला आंदोलन : बता दें कि अब मनोज जरांगे पाटिल ने ऐलान किया है कि वह इस आंदोलन को जालना में नहीं बल्कि मुंबई में शुरू करेंगे। यह जानकारी उन्होंने मीडिया से बात करते हुए दी। सरकार को चेतावनी देते हुए जरांगे ने कहा कि 24 दिसंबर के बाद सरकार को एक भी दिन नहीं मिलेगा। आगे उन्होंने कहा है कि हम 25 दिसंबर को अपनी स्थिति की घोषणा करेंगे।

गुस्साए मराठों का फैसला, छगन भुजबल को नहीं देंगे वोट

मराठा आरक्षण का नेतृत्व मनोज जरांगे को देने का फैसला पूरे मराठा समुदाय के समर्थन से लिया गया है। मुंबई में मराठा आरक्षण अधिकार सम्मेलन (हक्क परिषद) में इस संबंध में प्रस्ताव लिया गया है। इसके साथ ही मराठा समुदाय को आरक्षण देने पर विरोधी रुख अपनाने वाले मंत्री छगन भुजबल को भी वोट नहीं देने का फैसला किया गया है। इसलिए वकील गुणरत्न सदावर्ते के बहिष्कार का भी संकल्प लिया गया है। इस अवसर पर बोलते हुए, गंगाधर कालकुटे ने एक बयान में कहा कि मराठा आरक्षण अधिकार सम्मेलन आयोजित करने का कारण यह है कि ओबीसी नेता इस समय प्रतिवाद निकाल रहे हैं। साथ ही मराठा आरक्षण कैसे मिलेगा इस पर भी इस सम्मेलन में चर्चा होगी।

'शीतकालीन सत्र से पहले आएगी अच्छी खबर'

शरद-अजित की मुलाकात पर एनसीपी मंत्री अनिल पाटिल का बड़ा दावा

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। दिवाली के अवसर पर शरद पवार के गोविंद बाग स्थित आवास पर उप मुख्यमंत्री अजित पवार की मुलाकात और उसके बाद अजित पवार के घर पर शरद पवार और सुप्रिया सुले की मुलाकात हुई है। और अब एनसीपी अध्यक्ष शरद पवार और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस की मुलाकात से राज्य की राजनीति गरमा गई है। इन मुलाकातों पर महाराष्ट्र के राहत और पुनर्वास मंत्री अनिल पाटिल ने एक सनसनीखेज दावा किया है कि विधानमंडल के शीतकालीन सत्र से पहले अच्छी खबर आएगी। उन्होंने कहा, शरद पवार एवं अजित पवार परिवार दिवाली के लिए एक साथ मिले थे। मेरी निजी राय है कि हमें कुछ दिनों में अच्छी खबर मिल सकती है। अनिल पाटिल ने दावा किया, पिछले कुछ दिनों से जो विधायक विपक्षी दल में थे, उन्होंने पश्चाताप कर लिया है। हम इस तरफ क्यों रुके? उन्हें इसका अफसोस है। मैं उनके शब्दों से अनुमान लगा सकता हूं। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दिल्ली नहीं जाऊंगा, नागपुर से लड़ूंगा चुनाव

फडणवीस का खुलासा, अगली बार फिर पीएम बनेंगे नरेंद्र मोदी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने साफ किया है कि वे अगले साल 2024 में लोकसभा चुनाव लड़ कर दिल्ली नहीं जाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि वे नागपुर से ही अगला विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। फडणवीस ने यह बात गुरुवार को अपने आवास पर संवाददाताओं से हुई बातचीत में कही। पिछले कई महीनों से ऐसी चर्चा चल रही थी कि केन्द्रीय नेतृत्व फडणवीस को दिल्ली की राजनीति में मौका देने का मन बना रहा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

सीएम ने किया है मराठा आरक्षण का वादा

उपमुख्यमंत्री ने मराठा नेता मनोज जरांगे पाटिल के जारी राज्य व्यापी दौरे के बारे में कहा कि उनकी प्राथमिकता कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने की है। मैंने सभी मंत्रियों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि कहीं भी किसी प्रकार का तनाव न हो। उन्होंने कहा कि सीएम एकनाथ शिंदे ने मराठा समाज को आरक्षण दिलाने का वादा किया है। ऐसे में सभी को इस पर विश्वास करना चाहिए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

टकराव टालने पर सहमति

तीन पहलुओं के अलावा कोई बड़ी कामयाबी बाइडेन-शी वार्ता में हासिल नहीं हुई। इसलिए इस बात की संभावना नहीं है कि दोनों देशों के संबंधों में गिरावट और तनाव का जो दौर है, उस पर कोई प्रभावी लगाम लग पाएगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की शिखर वार्ता से दोनों देशों के संबंधों में कोई नाटकीय सुधार होने की अपेक्षा नहीं थी। और ऐसा हुआ भी नहीं। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में दोनों राष्ट्रपतियों की हुई शिखर वार्ता में जो सहमतियां बनीं, उनका सार सिर्फ यह है कि दोनों देश यह सुनिश्चित करेंगे कि बिगड़ते संबंध युद्ध भड़कने के हालात तक ना पहुंच जाएं। इस लिहाज से दोनों देशों के बीच हर स्तर पर सैन्य संवाद बहाल करने पर बनी सहमति सबसे अहम है। पिछले साल जब अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव की तत्कालीन स्पीकर नैंसी पेलोसी ने ताइवान की यात्रा की थी, तो उसके विरोध में चीन ने यह संवाद तोड़ लिया था। इसके अलावा चीन नशीले पदार्थ फेंटानाइल बनाने में इस्तेमाल होने वाले तत्वों का निर्यात रोकने के उपाय करने पर सहमत हुआ। अमेरिका की घरेलू राजनीति में जो बाइडेन इसे अपनी सफलता के रूप में पेश करेंगे। वैसे दोनों देशों में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) से संबंधित जोखिम और सुरक्षा के प्रश्न पर संवाद के लिए साझा कार्यदल बनाने का फैसला भी अहम है। एआई में ये दोनों देश अग्रणी हैं और जाहिर है, वे जो मानदंड तय करेंगे, उसका असर दुनिया पर पड़ेगा। मगर इन तीन पहलुओं के अलावा कोई बड़ी कामयाबी बाइडेन-शी वार्ता में हासिल नहीं हुई। बाकी मुद्दों पर उन्होंने अपने-अपने देशों के रुख को दोहराया। इसलिए इस बात की संभावना नहीं है कि दोनों देशों के संबंधों में गिरावट और तनाव का जो दौर है, उस पर कोई प्रभावी लगाम लग पाएगी। शी जिनपिंग ने एशिया पैसिफिक इकॉनमिक को-ऑपरेशन (एपेक) शिखर सम्मेलन के दौरान हुई इस मुलाकात को यह जताने का मौका बनाया कि चीन अब एक महाशक्ति है और अमेरिका को उससे उसी रूप में पेश आना चाहिए। जो बाइडेन प्रशासन ने इस मुलाकात को संभव बनाने के लिए जितना परिश्रम किया, उससे शी को अपना यह संदेश प्रसारित करने में एक हद तक सफलता भी मिल गई है। अब देखने की बात है कि क्या ये दोनों बड़ी ताकतें भविष्य में अपने आपसी संबंधों को क्या दिशा देती हैं।

आओ त्योहारों के मौसम में छठ पर्व की बेला पर खुशियों से सराबोर होकर नहाए

प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जितना लुटाओगे उतना बढ़ता चला जाएगा

गोंदिया। कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन में अनेक गुण दोषों को शामिल कर संजोया है, इसका उपयोग करने सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमता का भी सृजन कर दिया है। बस! जरूरत है अब माननीय जीव को उसे गुण-दोष सुख-दुख खुशियां-गम प्रसन्नता-दुख इत्यादि का चुनाव कर अपने जीवन को सफल और असफल बनाएं उसके ऊपर है!! क्योंकि प्रसन्नता और सुख दुख भी बौद्धिक क्षमता के आधार पर माननीय जीव को खुद चुनना होता है! इसलिए आज हम छठ की पावन बेला पर मन की प्रसन्नता पर उसके गुणों, प्रक्रिया सुजन करने के तरीकों पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

आओ हंसियों की फुलझड़ियां जलाकर जिंदगी को महकाएं-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया

साथियों बात अगर हम छठ पर्व की बेला पर खुशियों से सराबोर होकर नहाने की करें तो, छठ पूजा का त्योहार 17 नवंबर से शुरू हो रहा है. इस साल छठ पूजा 19 नवंबर को होगी। इस दिन डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। 20 नवंबर को उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा और इसी के साथ छठ पूजा का समापन व व्रत पारण किया जाएगा. छठ पर्व की शुरूआत नहाय-खाय के साथ होती है. इसके दूसरे दिन को खरना कहते हैं। इस दिन व्रती को पूरे दिन व्रत रखना होगा. शाम को व्रती महिलाएं खीर का प्रसाद बनाती हैं। छठ व्रत के तीसरे दिन सूर्य देव की पूजा की जाती है. इस दिन महिलाएं शाम के समय तालाब या नदी में जाकर सूर्य भगवान को अर्घ्य देती है. चौथे दिन सूर्य देव को जल देकर छठ पर्व का समापन किया जाता है। इस त्योहार को सबसे ज्यादा बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी बंगाल में मनाया जाता है. साथ ही इसे नेपाल में भी मनाया जाता है. इस त्योहार को सूर्य षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है. छठ पूजा का पर्व संतान के लिए रखा जाता है. छठ में 36 घंटे का निर्जला व्रत रखा जाता है।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता की करें तो खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है, क्योंकि इसमें सब दुख तो नष्ट होते हैं,जीव अपने कर्म में असफल नहीं होता। बुद्धि तुरंत स्थिर रहती है। सामाजिक प्रतिष्ठा और गुणों की सुगंध दूर तक जाती है एक अलग हस्मुख व्यक्तित्व की हमारी छाया हमारे अपने परिचितों सहयोगियों पर पड़ती है। प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे जितना लूटाएंगे उतना ही बढ़ता चला जाएगा, खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता की आंखों की चमक मनीषियों को दुर्लभ पूंजी है, क्योंकि प्रसन्नता सुकून से जीने की कुंजी है। यह खजाना तब बढ़ता है जब हम दूसरों की खुशीयों में अपनी खुशी को समाहित करते हैं। हमें छोटी-छोटी चीजों में प्रसन्नता, सुख ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए, विश्वसनीय मन के भाव की खुशी का भाव अभूतपूर्व सफलता और दूरगामी सकारात्मक परिणाम होता है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार, सहनशीलता, सहिष्णुता इत्यादि मन की प्रसन्नता के प्रमुख स्त्रोतों में से कुछ हैं, जिनको जीवन में अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस, संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी विश्व प्रसन्नता इंडेक्स रिपोर्ट इत्यादि अन्तर्राष्ट्रीय स्तरपर प्रसन्नता के मूल्यों की करें तो प्रसन्नता को हाई वैश्विक टॉनिक माना जाता है। प्रसन्नता दिवस मनाया जाता है अलग-अलग देशों के प्रसन्नता से रहने के क्रमांक बताए जाते हैं, परंतु बहुत हैरानी की बात है प्रसन्नता इंडेक्स में अनेक पूर्ण विकसित देशों के साथ ही भारत भी पिछड़ा हुआ है जो रेखांकित करने वाली बात है!! विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2022 में 146 देशों की रिपोर्ट के अनुसार फिनलैंड लगातार 5 वर्षों से प्रथम और डेनमार्क द्वितीय और आयरलैंड तृतीय स्थान पर है।जबकि इस रिपोर्ट में भारत 136 वी रैंक पर है याने लास्ट टॉप टेन इतनी खराब हालात जो आश्चर्य वाली बात है।

साथियों बात अगर हम मन की प्रसन्नता के गुण एवं लाभों की करें तो, प्रसन्नता तो व्यक्ति का मानसिक गुण है, जिसे व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन के अभ्यास में लाना होता है। प्रसन्नता व्यक्ति के अंतर्मन में छिपे उदासी, तृष्णा और कुंठाजनित मनोविकारों को सदा के लिए समाप्त कर देती है। वस्तुतः प्रसन्नता चुंबकीय शक्ति संपन्न एक विशिष्ट गुण है। प्रसन्नता दैवी वरदान तो है ही, यह व्यक्ति के जीवन की साधना भी है। व्यक्ति प्रसन्न रहने के लिए एक खिलाड़ी की भांति अपनी जीवन-शैली और दृष्टिकोण को अपना लेता है। उसके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता-असफलता, जय-पराजय, और सुख-दुख उसके चिंतन का विषय नहीं होता। वह तो अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ता जाता है।प्रसन्नता मानवों में पाई जाने वाली भावनाओं में सबसे सकारात्मक भावना है। इसके होने के विभिन्न कारण हो सकते हैं: अपनी इच्छाओं की पूर्ति से संतुष्ट होना। अपने दिन-रात के जीवन की गतिविधियों को अपनी इच्छाओं के अनुकूल पाना। किसी अचानक लाभ से लाभांवित होना। किसी जटिल समस्या का समाधान प्राप्त होना।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता के लक्ष्यों की प्राप्ति की करें तो, प्रसन्न रहने वाला व्यक्ति परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेता है। यदि वह असफल भी हो जाता है तो निराश होने और अपनी विफलता के लिए दूसरों को दोष देने की अपेक्षा अपनी चूक के लिए आत्मनिरीक्षण करना ही उचित समझता है। ज्ञानीजन और अनुभवी बताते हैं कि प्रसन्नता जैसे दैवीय-वरदान से कुतर्की और षड्यंत्रकारी लोग सदैव वंचित रह जाते हैं। प्रसन्न व्यक्ति स्वयं को प्रसन्न रखकर दूसरों को भी प्रसन्न रखने की अद्भुत सामर्थ्य रखता है। प्रसन्नता को प्रभु-प्रदत्त संपदा समझने वाले व्यक्ति ही सदैव सुखी रहते हुए यशस्वी, मनस्वी, महान और पराक्रमी बनकर समाज और राष्ट्र के लिए आदर्श स्थापित करने में सक्षम हो सकते हैं। प्रसन्नता ही सुखी जीवन का मूल मंत्र है। प्रसन्नता हमारा अनमोल खजाना है। प्रसन्नता को जरूर लुटाइए फि र देखिए, उसका खजाना बढ़ता चला जाएगा। भलाई करना कर्त्तव्य नहीं, आनन्द है। क्योंकि वह प्रसन्नता को पोषित करता है। सबको प्रसन्न करने की शक्ति सब में नहीं होती। प्रसन्नता आत्मा को शक्ति प्रदान करती है। प्रसन्नतापूर्वक उठाया गया बोझ हल्का महसूस होता है। प्रसन्नता शब्द का प्रयोग मानसिक या भावनात्मक अवस्थाओं के संदर्भ में किया जाता है, जिसमें संतोष से लेकर तीव्र आनंद तक की सकारात्मक या सुखद भावनाएं शामिल हैं। इसका उपयोग जीवन संतुष्टि, व्यक्तिपरक कल्याण, यूडिमोनिया, उत्कर्ष और कल्याण के संदर्भ में भी किया जाता है इसलिए हर व्यक्ति ने इस गुण को अपने में समाहित कर जीवन को सफल बनाने के मंत्र को अपनाना चाहिए।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आओ त्योहारों के मौसम में छठ पर्व की बेला पर खुशियों से सराबोर होकर नहाए। आओ हंसी में लोटपोट होकर जिंदगी का लुत्फ उठाएं प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जितना लुटाओगे उतना बढ़ता चला जाएगा आओ हंसियों की फुलझड़ियां जलाकर जिंदगी को महकाएं।

-संकलनकर्ता लेखक -
कर विशेषज्ञ स्तंभकार एडवोकेट किशन सनमुखदास

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

कल्याण फाटा परिसर स्थित ध्वस्त की गई 22 दुकानदारों के समर्थन में उतरे विधायक जितेंद्र आव्हाड

...कहा दुकाने ध्वस्त करने के लिए ली गई 4.5 करोड़ रुपए की सुपारी, क्या विधायक जितेंद्र आव्हाड दुकानदारों को उनकी दुकान वापस बनाने के लिए दिला पाएंगे परवानगी?

मुंबई हलचल/अब्दुस समद खान

मुंब्रा शिल। गत 7 नवंबर मंगलवार कल्याण फाटा परिसर स्थित 22 दुकानों को अवैध बताते हुए ठाणे मनपा प्रशासन की दिवा प्रभाग समिति द्वारा बुलडोजर चला कर ध्वस्त कर दिया गया जिसमें 22 दुकानदारों की रोजी-रोटी कमाने का साधन छीन लिया गया और कारन मनपा प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा बताया गया कि यह 22 दुकान अवैध तरीके से सरकारी जमीन पर बनाई गई जिसके कारण ट्रैफिक की समस्या उत्पन्न हो रही थी और प्रदूषण हो रहा था और यही कारण के चलते दुकानदारों को 260 का नोटिस देते हुए 22 दुकानों को ध्वस्त कर दिया गया जिसके बाद दुकानदारों ने अटलांटा बिल्डर पर आरोप लगाते हुए कहा कि बिल्डर की और ठाणे मनपा प्रशासन समेत पुलिस की मिली भगत से हमारी जगह पर कब्जा करना है जबकि हमारा जमीनी मामला उच्च न्यायालय में प्रलंबित है और हम लोग इस जगह पर 20 वर्षों से अपना व्यवसाय कर अपने परिवार का पालन पोषण कर रहे हैं लेकिन अटलांटा बिल्डर हमारी जगह पर दादागिरी कर पुलिस और मनपा प्रशासन से मिली भगत कर हमें हमारी वर्षु पुरानी जमीन से हटाने का प्रयत्न किया जा रहा है और यही कारण है की वर्षों पुरानी हमारी दुकानों को ध्वस्त करा दिया गया है हमें रोजी रोजगार से वंचित कर सड़कों पर परिवार समेत रहने पर मजबूर कर दिया गया है आज हम लोग सड़क पर अपने परिवार को अपनी जमीन पर लेकर रह रहे हैं और अटलांटा बिल्डर द्वारा हर मुमकिन प्रयत्न किया जा रहा की हम लोग हमारी जगह छोड़ दे और वह हमारी जगह पर कब्जा कर ले इसी के मध्य नजर अटलांटा बिल्डर द्वारा महिलाएं बाउंसर को नियुक्त कर दिया गया है ताकि हम पर दबाव बनाकर हमारी जगह पर अटलांटा बिल्डर अपना कब्जा जमा ले जिसके बाद दुकानदारों द्वारा लिखित शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों को की है यह तमाम परिस्थितियों को देखते हुए विधायक जितेंद्र आव्हाड द्वारा दुकानदारों के समर्थन पर उतरते हुए नजर आए और गत 15 नवंबर बुधवार दोपहर 2:00 बजे कल्याण फाटा परिसर का दौरा किया गया जहां पर पहले उन्होंने अटलांटा द्वारा नियुक्त की गई महिला बाउंसर को उस जगह से चलता करा दिया पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा की दुकानों को ध्वस्त करने के लिए 4.5 करोड़ रुपए की सुपारी ली गई जिस तरह से सुपारी लेकर 20 से 25 वर्ष से दुकान चला रहे दुकानदारों को रोजी रोटी से वंचित कर दिया उन्हें सड़क पर रहने पर मजबूर कर दिया गया यह सरासर मनमानी ठाणे मनपा प्रशासन की तरफ से की जारी है उन्होंने मनपा प्रशासन के अधिकारियों पर निशाना साधते हुए कहा की किसकी परवानगी से मनपा प्रशासन द्वारा 25 वर्ष पुरानी दुकानों को अवैध बताते हुए ध्वस्त किया गया अगर वर्षों पुरानी अवैध दुकानों को ध्वस्त करना ही है तो पूरी मुंब्रा कौसा शिल को ध्वस्त कर दो आव्हाड ने कहा अग्निशमन दल के बगल मैं बनी शिवसेना शाखा पर आपत्ति जताते हुए कहा उसे क्यों नहीं मनपा प्रशासन द्वारा ध्वस्त किया गया जबकि शाखा को हाल ही में निर्माण किया गया था उन्होंने महिला बाउंसर पर टिप्पणी करते हुए कहा की महिला बाउंसर को इसलिए यहां पर नियुक्त किया गया है की पुरुष उनसे उलझकर मगजमारी करें और उसके बाद वह महिलाएं जाकर 354 का मामला दर्ज करा दे जैसा मेरे साथ में हुआ एक महिला बाउंसर द्वारा मुझ पर भी 354 का मामला दर्ज कराया गया उन्होंने दुकानदारों को हौसला देते हुए उनकी जगह पर से नहीं हटने के लिए कहा गया है फिलहाल जिस तरह से दुकानदारों की समर्थन में विधायक जितेंद्र आव्हाड उतारते हुए नजर आ रहे हैं और न्याय दिलाने की बात कर रहे हैं क्या वह 22 दुकानदारों को उनकी तमाम दुकानें बनाने के लिए परवानगी दिला पाएंगे? यह देखने वाली बात होगी।

इस्कॉन के दीपदान महोत्सव में भगवान कृष्ण, बलभद्र और सुभद्रा की तस्वीर पर की गई पुष्पांजलि

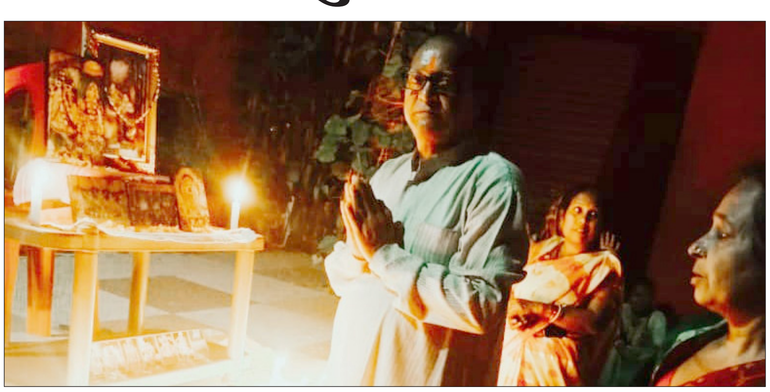

मुंबई हलचल/संवाददाता

खगड़िया (बिहार)। ज़िला मुख्यालय के बबुआगंज स्थित श्री बड़ी दुर्गा स्थान परिसर में इस्कॉन नामहट्ट द्वारा श्री श्री राधा दामोदर भगवान का दीपदान महा महोत्सव मनाया गया। वरिष्ठ पत्रकार डॉ अरविन्द वर्मा, सुशांत कुमार, जाय श्री माता जी, मधु, कविता, मिठू सहित सैंकड़ों पुतुल नामहट्ट भक्तवृंद ने दीपदान किया। हरे रामा, हरे कृष्णा से सम्बंधित प्रार्थना और भजन पर लोग झूम उठे। कुछ भक्त नृत्य भी करते नजर आए। भगवान कृष्ण, भगवान बलभद्र और उनकी बहन सुभद्रा की तस्वीरों पर पुष्पांजलि भी अर्पित की गई। समपके उपरांत महाप्रसाद का भी वितरण किया गया।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

दिल्ली नहीं जाऊंगा, नागपुर से लड़ूंगा चुनाव

लेकिन फडणवीस ने ऐसी सभी कयासों को खारिज किया है। वे मौजूदा समय में नागपुर दक्षिण-पश्चिम विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। जब फडणवीस से मंत्रिमंडल विस्तार के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हम कोशिश कर रहे हैं कि नागपुर में अगले महीने होने वाले शीतकालीन सत्र से पहले मंत्रिमंडल विस्तार हो जाए। उनके इस बयान को काफी अहम माना जा रहा है। विस्तार न होने से शिंदे गुट में काफी नाराजगी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश के लोगों ने पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक और कार्यकाल देने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि 2024 के आम चुनाव में भी बीजेपी भारी बहुमत के साथ जीत दर्ज करेगी। विपक्ष जितना भी जोर लगा ले, लोग अपना मन नहीं बदलेंगे।

जरांगे की बड़ी घोषणा

जानकारी हो कि आरक्षण को लेकर मनोज जरांगे पाटिल ने महाराष्ट्र का दौरा शुरू कर दिया है। उसके लिए वे अलग-अलग जगह बैठकें कर रहे हैं। मनोज जरांगे पाटिल ने कहा कि इन बैठकों को अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। लोग बैठकों में भाग लेने के लिए काम पर नहीं जा रहे हैं। रात में होने वाली बैठकों में भी भीड़ रहती है। अब बिना आरक्षण के आराम नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा है कि वह जेजुरी के खंडोबा भगवान को नमन करने और सरकार को सद्बुद्धि देने के लिए जानें वाले हैं।

15 मिनट में पूरा होगा मुंबई से नवी मुंबई का सफर

ओपन टोलिंग सिस्टम की वजह से टोल भरने के लिए वाहनों को पुल पर रुकना नहीं पड़ेगा। 18 हजार करोड़ रुपये की लागत से बन रहा छह लेन वाला मुंबई ट्रांस-हार्बर लिंक ब्रिज की कुल लंबाई 22.8 किलोमीटर है। इसका 16 किलोमीटर हिस्सा समुद्र में है। इसके शुरू होने पर मध्य मुंबई के सेवरी से नवी मुंबई के चिरले तक 15 से 20 मिंनट में पहुंचा जा सकता है। एमटीएचएल शुरू होने के बाद मुंबई और पुणे के बीच यात्रा आसान होगी। इससे लोनावला, खंडाला और मुंबई के बीच यात्रा के समय में 90 मिनट की कमी आने की उम्मीद है। दिवंगत प्रधानमंत्री के सम्मान में इसका अधिकारिक नाम 'अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति न्हावा शेवा अटल सेतु' रखा गया है। इससे नवी मुंबई और रायगढ़ जिले में बुनियादी ढांचे का विकास तेजी से होने की उम्मीद है। बताया जा रहा है कि परियोजना का 96% से अधिक काम पूरा हो चुका है।

'शीतकालीन सत्र से पहले आएगी अच्छी खबर'

अनिल पाटिल ने कहा, कुछ विपक्षी विधायक लगातार पछतावा कर रहे हैं। फिर वे किसी भी पार्टी के हो सकते हैं। इसलिए, मेरी व्यक्तिगत राय है कि सत्र से पहले या सत्र के बाद अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। इस मौके पर उन्होंने शिवसेना सांसद संजय राउत पर उन्होंने निशाना साधते हुए कहा, संजय राउत को राजनीतिक मलेरिया हो गया है। अनिल पाटिल ने कहा, अजित पवार के किसी भी दौरे पर इस तरह की बात करने की उनकी आदत है। एनसीपी में वरिष्ठ स्तर पर हलचलें हो रही हैं।

पिछले हफ्ते दिवाली के मौके पर शरद पवार और अजित पवार की मुलाकात हुई थी। इस मुलाकात के बाद अजित पवार दिल्ली चले गए। वहां उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। इस घटनाक्रम के बाद राजनीतिक गलियारे में तरह-तरह की चचाएं छिड़ गई हैं। दिलचस्प बात यह है कि अजित पवार शरद पवार के बारामती स्थित गोविंद बाग स्थित आवास पर भी शामिल हुए है। दीपावली पड़वा के दिन गोविंद बाग में दोपहर के भोजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में अजित पवार शामिल हुए थे। इसके बाद शरद पवार आज अजित पवार के आवास पर गये। भैयादूज के मौके पर शरद पवार अजित पवार के आवास पर गये। इन घटनाक्रमों के आधार पर अलग-अलग तर्क दिए जा रहे हैं। क्या शरद पवार सत्ता में शामिल होंगे या फिर अजित पवार हटेंगे? इसे लेकर तरह-तरह की चचाएं चल रही हैं। दोनों नेताओं ने पारिवारिक मुलाकात की। इन घटनाक्रमों के पीछे पारिवारिक कारण माना जा रहा है, क्योंकि पवार परिवार हर साल दिवाली के मौके पर इकट्ठा होता है। लेकिन पिछले कुछ दिनों के राजनीतिक घटनाक्रम को देखते हुए क्या पवार परिवार एक साथ आएगा? इसको लेकर संशय था। लेकिन पवार परिवार ने एक साथ आकर यह साबित कर दिया है कि हम एक परिवार के रूप में एकजुट हैं।

वैज्ञानिकों ने खोला 2 हजार साल पुराना काला ताबूत, अंदर जो मिला उसे देखकर हैरान....

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

दुनियाभर में वैज्ञानिकों की खोजें लगातार चलती रहती हैं। इस दौरान कई बार उनके हाथ कोई अद्भुत चीज लग जाती है तो कभी कुछ ऐसा भयानक दिख जाता है, जो उनके भी रोंगटे खड़े कर देता है। ये तो आप जानते ही होंगे कि हजारों साल पुराने ताबूतों को लेकर कितनी सारी कहानियां प्रचलित होती हैं। कुछ लोग उन्हें शापित भी मान लेते हैं। अब एक ऐसी ही खोज पुरातत्वविदों ने की है। दरअसल, उनके हाथ 2 हजार साल पुराना एक काला ताबूत लगा है, जिसे खोलने में पहले तो वो भी घबरा रहे थे, लेकिन जब खुला तो उसके अंदर का नजारा देख उनके भी होश उड़ गए।

ग्रेनाइट का अब तक का सबसे बड़ा ताबूत

बताया जा रहा है कि अलेक्जेंड्रिया के सिदी गेबर जिले में पाया गया ग्रेनाइट का ये ताबूत अब तक का सबसे बड़ा ताबूत है, जिसकी लंबाई 2.5 मीटर (लगभग नौ फीट) है। रिपोर्ट के मुताबिक, मिस्र के पुरावशेष मंत्रालय के पुरातत्वविदों ने 'शापित' ताबूतों की सुनी-सुनाई चेतावनियों को नजरअंदाज करने का फैसला किया और आखिरकार उन्होंने 2,000 साल पुराने विशालकाय काले ताबूत को खोल दिया। फिर उन्हें अंदर जो मिला वह बहुत भयानक था।

राजा या सम्राट के नहीं तो फिर किसके हैं सदियों पुराने कंकाल?

रिपोर्ट्स के मुताबिक, ताबूत के अंदर तीन कंकाल पड़े हुए थे। पुरातत्वविद शाबान अब्देल मोनीम ने शुरुआती जांच के आधार पर बताया कि वो सभी कंकाल पुरुषों के हैं। उन्होंने कहा कि कंकाल संभवतः सेना के किसी अधिकारी या पुजारी के हो सकते हैं। उन्होंने ताबूत के किसी राजा या सम्राट के होने की संभावना से इनकार किया है, क्योंकि इसमें कोई शिलालेख नहीं है।

नहीं निकली ताबूत से बुरी आत्मा

विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह ताबूत मिस्र के टॉलेमिक काल (323-30 ईसा पूर्व) का है, जो सिकंदर महान की मौत और रोमन आक्रमण के बीच की अवधि है। वैज्ञानिकों ने बताया कि ताबूत को देखकर लग रहा था कि उसे पहले कभी नहीं खोला गया था। पुरातत्वविदों ने जब इस ताबूत को खोला तो सके अंदर से कोई बुरी आत्मा दुनिया में नहीं थी बल्कि उसमें तीन कंकाल मिले इसके साथ ही उन्हें चिपचिपी और कीचड़युक्त गंदगी मिली।

अध्ययन के लिए भेजा गया राष्ट्रीय संग्रहालय

बताया जा रहा है कि आगे के अध्ययन के लिए इस ताबूत और उसके अंदर के कंकालों को अलेक्जेंड्रिया राष्ट्रीय संग्रहालय में भेज दिया जाएगा, जहां उनकी मौत के कारणों की जांच की जाएगी। जैसा कि आमतौर पर फिल्मों में दिखाया जाता है कि ताबूतों को खोलने पर उसके अंदर से बुरी आत्मा बाहर निकलती है, लेकिन इसमें ऐसा नहीं हुआ।

लाखों लोग यातायात के नियमों की अनदेखी कर गवा रहें जीवन!

यातायात नियमों और सुरक्षा मानदंडों का सख्ती से पालन करने व कराने की जरूरत..!

मुंबई हलचल / संवाददाता

एक तरफ तो यातायात माह चल रहा और लोगों को जागरूक किया जा रहा हैं लेकिन यातायात के नियमों के प्रति लोग जागरूक नही हो रहें तथा वही पुलिस ऐसे लोगों के वाहनो के चालान की प्रक्रिया में लगी हुई हैं और चालान काट कर गरीब को और गरीब कर रही हैं। ऐसे वाहन चेकिंग में रसूखदार तो बच निकलता हैं बस कटता हैं गरीब का चालान ।लेकिन वही दूसरी और यह जानकर दुख होता है कि पिछले साल हमार देश की सड़कों पर करीब पौने दो लाख लाख मौतों सहित कई लाख से अधिक लोगो ने सड़क दुर्घटनाओं में जान गवाई हैं!वर्तमान स्थिति इंगित करती है कि इन मौतों को कम करने के लिए महत्त्वपूर्ण सुधार की आवश्यकता हैं। राजमार्ग इंजीनियरों वाहन निर्माताओं, लाइसेंस प्राधिकरणों, प्रशिक्षण संस्थानों, सड़क उपयोगकर्ताओं और ड्राइविंग अनुशासन को लागू करने के लिए जिम्मेदार लोगो को इस संबंध में ईमानदारी से प्रयास करना चाहिए! सभी राजमार्गों पर विशेष रूप से एक्सप्रेस-वे पर तेज गति और नशे में गाड़ी चलाने से बचना चाहिए! यातायात नियमों और सुरक्षा मानदंडों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए और जहां कर्मचारी अपर्याप्त हैं वहां तकनीकी उपकरण के उपयोग पर विचार किया जाना चाहिए तथा लोगों को यातायात के प्रति जागरूक करना चाहिए और हमे भी यातायात के नियमों में अपने ओर अपनो को जागरूक करना चाहिए क्योंकि जीवन बहूत कीमती हैं अपने और अपनों के लिए।

मिजोरम के इस घर में रहता है 'दुनिया का सबसे बड़ा परिवार', 199 हैं सदस्य

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

पहले के जमाने में 8-10 सदस्यों का परिवार एक साथ रहता है, लेकिन धीरे-धीरे यह संख्या घटकर 3-4 ही रह गई है। हालांकि, मिजोरम के बक्तावंग गांव में एक परिवार ऐसा है, जिसमें कुल 199 सदस्य हैं। इतनी बड़ी संख्या होने के कारण इस परिवार को 'दुनिया का सबसे बड़ा परिवार' बताया गया है और ये सभी एक ही छत के नीचे रहते हैं। आइये इस अनोखे परिवार के बारे में विस्तार से जानते हैं।

घर के मुखिया ने की थी 35 से भी ज्यादा शादी

जानकारी के मुताबिक, 199 लोगों के परिवार के मुखिया का नाम जिओना चाना है। उनकी 38 पत्नियां, 89 बच्चे और उनकी पत्नियां और बच्चे हैं। इस तरह से परिवार के सदस्यों की संख्या अब 199 हो गई है। हालांकि, जिओना अब इस दुनिया में नहीं हैं। साल 2021 में 76 वर्ष की उम्र में उनका उच्च रक्तचाप और मधुमेह के कारण निधन हो गया था। उनके निधन के बाद भी उनका पूरा परिवार मिल-जुलकर एक ही घर में रहता है।

खाना पकाना महिलाओं के लिए चुनौतीपूर्ण काम

जिओना का परिवार इतना बड़ा है कि महिलाओं के लिए खाना पकाना और बर्तनों को धोना एक बड़ा चुनौतीपूर्ण काम लगता है। इसके बावजूद वे सभी मिल-जुलकर बगैर किसी शिकायत के काम करती हैं। जिओना की बहुओं में से एक ने मीडिया से बताया कि उन्हें भी आम लोगों की तरह मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, लेकिन उनका परिवार हर हाल में एक साथ खड़ा रहता है और यही उनका सकारात्मक पक्ष है।

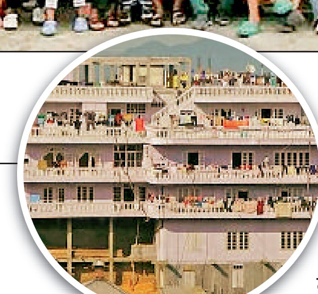

परिवार के लिए बन रहा नया और बड़ा घर

घर के सदस्य बढ़ते परिवार को देखते हुए गांव में ही एक दूसरा नया और बड़ा घर बनवा रहे हैं ताकि वे सभी ज्यादा समय तक एक साथ रह सके। हालांकि, अब परिवार के कुछ लोग अपने बच्चों को शहरों में भेजने के लिए तैयार हो गए हैं। उनका मानना है कि उनके बच्चे गांव से बाहर जाकर अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

घर में आज भी जिओना कायम है आदर्श

जिओना का परिवार आज भी उनके मूल्यों और आदर्शों का पालन करता है। सभी सदस्य रोजाना दिन में 2 बार घर के हॉल में इकट्ठा होकर खाना खाते हैं। इस नजारे को देखकर ऐसा लगता है कि यह कोई बड़ी-सी कैंटीन है। कोई घर चलाने के लिए सूअर घर चलाते हैं, कुछ खेत में काम करते हैं और कुछ लोग बढई का काम देखते हैं। ऐसे करके वे घर के खर्चों से लेकर खान-पान तक, सब कुछ साझा कर पाते हैं।

जिओना ने क्यों की थी इतनी शादियां?

जिओना एक समय राज्य में चुआन थार कोहरान (नई पीढ़ी का चर्च) नामक सहस्राब्दी ईसाई संप्रदाय का नेतृत्व करते थे, इसलिए लोग उन्हें भगवान द्वारा चुना गया व्यक्ति मानते थे। ऐसे में जब वे एक के बाद एक शादियां करते गए तो उन्हें उनके समुदाय या परिवार ने नहीं रोका। उल्टा स्थानीय लोग खुशी-खुशी अपनी बेटियों की शादी जिओना के साथ कर देते थे। बता दें कि उनका मजहब भी एक से ज्यादा शादी करने की अनुमति देता है।

नवनिर्वाचित सरपंचों व मेम्बरों को किया सम्मानित

महाराष्ट्र में भारत राष्ट्र समिति को बढ़त : लक्की अन्ना

जलगांव/सुरेश कोहली । भारत राष्ट्र समिति ने महाराष्ट्र प्रदेश में सरपंचों व मेम्बरों के चुनावों के परिणाम आते ही जिले की विभिन्न नवनियुक्त ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) द्वारा सम्मानित किया गया है। जानकारी के अनुसार विटनेर ग्राम पंचायत से सरपंच नेहा साठे सहित 10 मेम्बरों को उक्त पार्टी के जिला अध्यक्ष लक्ष्मण गंगाराम पाटिल (लक्की अन्ना) द्वारा पुष्प गुच्छा देकर सम्मानित करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। इसी कड़ी में सुभाषवाड़ी से नवनियुक्त सरपंच कु. जयश्री राठोड व लोनवाडी से अनिता धाडी, डोमगांव से विनीता मंडपे सरपंच चुने जाने पर बीआरएस द्वारा शुभकामना दी है। इस मौके पर संजय महाजन,रविन्द्र उम्बरे, कुणाल बारी, नरेंद्र पाटिल ,पीएस स्वामी पाटिल,विजय पाटिल सहित पार्टी से जुड़े काफी लोग मौजूद रहे।

आरबीआई ने व्यक्तिगत कर्ज को लेकर सख्त किए नियम

- संशोधित मानदंड में जोखिम भार में 25 फीसदी की वृद्धि
- नियम गृह, शिक्षा और वाहन ऋण पर लागू

मुंबई हलचल / मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक ने बृहस्पतिवार को बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिये असुरक्षित माने जाने वाले व्यक्तिगत कर्ज से जुड़े नियमों को कड़ा किया। संशोधित मानदंड में जोखिम भार में 25 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

हालांकि संशोधित नियम गृह, शिक्षा और वाहन ऋण सहित कुछ उपभोक्ता कर्ज पर लागू नहीं होंगे।

इसके अलावा यह नियम सोने और सोने के आभूषणों के एवज में दिये गये कर्ज पर भी लागू नहीं होगा। इन कर्जों पर 100 प्रतिशत जोखिम भारांश लागू रहेगा। उच्च जोखिम भार का मतलब है कि जब असुरक्षित माने जाने वाले व्यक्तिगत कर्ज की बात आती है तो बैंकों को अलग से ज्यादा राशि का प्रावधान करना होगा। दूसरे शब्दों में, उच्च जोखिम भार बैंकों की कर्ज देने की क्षमता को सीमित करता है। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने हाल ही में उपभोक्ता कर्ज की श्रेणी में कुछ ऋण में अधिक वृद्धि की बात कही थी। उन्होंने बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को अपनी आंतरिक निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने, बढ़ते जोखिमों से निपटने तथा अपने हित में उपयुक्त सुरक्षा कदम उठाने की सलाह दी थी। दास ने जुलाई और अगस्त में क्रमशः प्रमुख बैंकों और बड़े एनबीएफसी के प्रबंध निदेशकों/मुख्य कार्यपालक अधिकारियों के साथ बातचीत के दौरान उपभोक्ता कर्ज में उच्च वृद्धि और बैंक उधार पर एनबीएफसी की बढ़ती निर्भरता का भी जिक्र किया था।

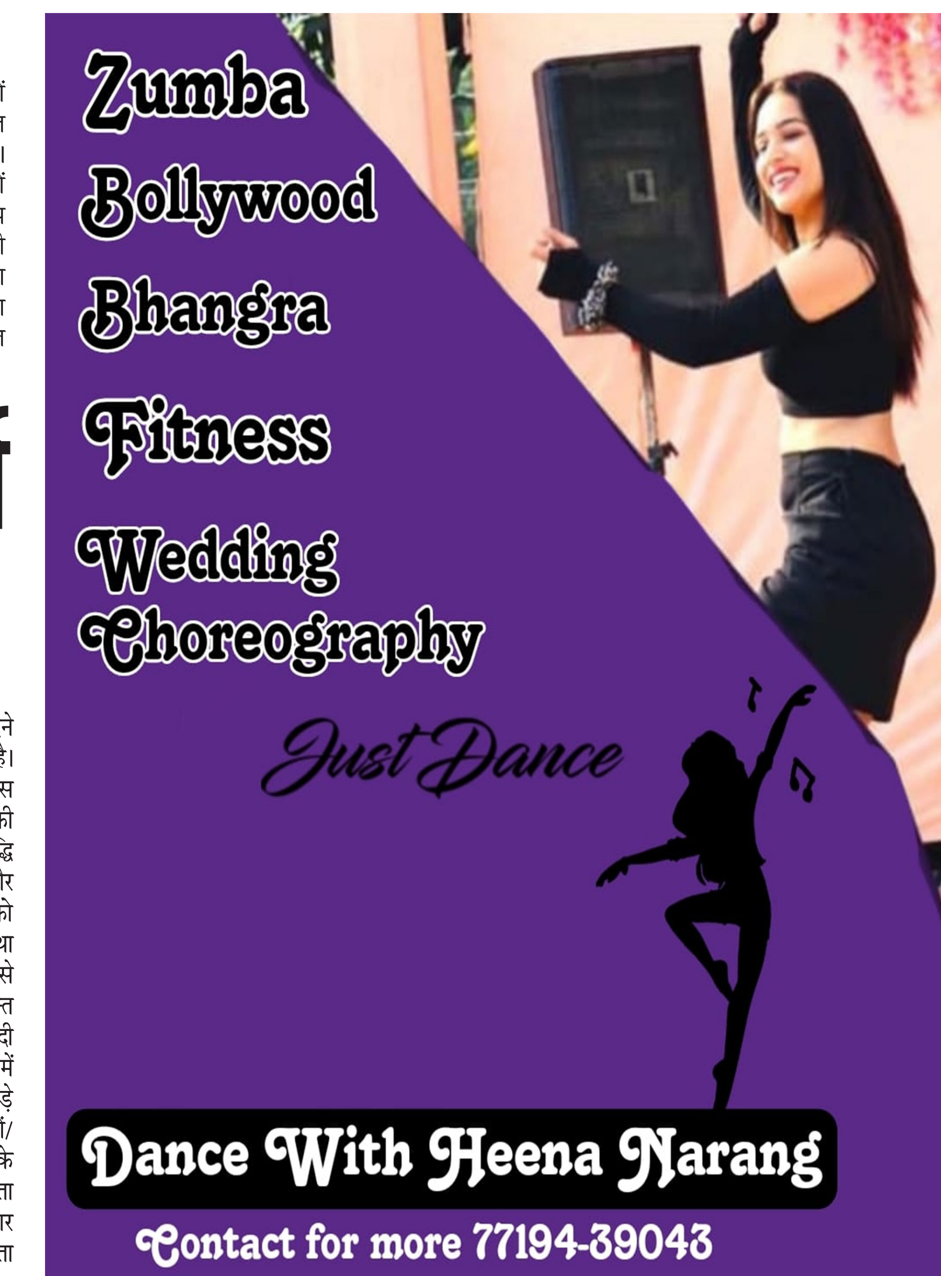

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

उत्तराखंड हलचल

टनल हादसे के बाद जागी सरकार प्रदेश भर में चल रहे निर्माण कार्यों की करेगी समीक्षा

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। रविवार से उत्तरकाशी के सिल्कयारा में टनल में मलबा गिरने के कारण फंसे 40 मजदूरों को निकालने की कोशिशे अभी भी युद्ध स्तर पर की जा रही है मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लगातार अधिकारियों से संपर्क में है और पल - पल का अपडेट ले रहे हैं वहीं बुधवार को दिल्ली से चिन्यालीसौड एयर बेस पर पहुंची हाई पावर ड्रिलिंग मशीन को टनल तक पहुंचा दिया गया है जिससे ड्रिलिंग का काम भी शुरू कर दिया गया है विशेषज्ञों

की माने तो आज शाम तक रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा होने की पूरी उमीद है इस बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टनल हादसे के बाद पूरे प्रदेश में चल रहे निर्माण कार्य की समीक्षा की बात कही है साथ ही मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश को विकास की जरूरत है जिसके लिए निर्माण कार्य किए जा रहे हैं लेकिन राज्य सरकार सभी निर्माण कार्यों की समीक्षा करेगी और प्रदेश में सभी निर्माण कार्य के आसपास की भारण क्षमता पर भी सरकार की नजर है। वही मुख्यमंत्री ने टनल के अंदर फंसे हुए मजदूरों को जल्द निकलने की बात भी कहीं साथ ही उन्होंने कहा कि सभी मजदूर सुरक्षित हैं और पूरे रेस्क्यू ऑपरेशंस के दौरान अंदर फंसे मजदूरों से लगातार बात की की जा रही है और मजदूरों को खाने पीने का समान और दवाइयां भी उपलब्ध कराई जा रही है।

दून अस्पताल में राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी का उग्र प्रदर्शन, डिप्टी कलेक्टर शालिनी नेगी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच आकर लिया ज्ञापन

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी ने आज दून अस्पताल की अव्यवस्थाओं के खिलाफ उग्र प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने अस्पताल प्रशासन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन स्थल पर डिप्टी कलेक्टर शालिनी नेगी ने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच आकर ज्ञापन लिया और उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

राष्ट्रवादी रीजनल पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवप्रसाद सेमवाल ने कहा कि अस्पताल के डाक्टर ड्यूटी के बजाय अपनी प्राइवेट प्रेक्टिस मे व्यस्त रहते हैं और,उनकी लापरवाही के चलते मरीजों को जान गंवानी पड़ रही है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेंद्र पंत ने आरोप लगाया कि जन औषधि केंद्र महज शोपीस बनकर रह गये

हैं। डाक्टर मरीजों को जेनरिक की बजाय बाहर की ब्रांडेड दवा लिख रहे हैं।

पार्टी की संगठन सचिव सुलोचना ईष्टवाल ने कहा कि अस्पताल मे दलाल भरे पड़े हैं, जो मरीजों को निजी अस्पताल जाने के लिए बरगलाते हैं। जिलाध्यक्ष संजय डोभाल ने आक्रोश जताया कि न तो आयुष्मान कार्ड का उचित इस्तेमाल कराया जा रहा और न ही अस्पताल की जांच को प्राथमिकता दी जा रही है। सीटी स्कैन, अल्ट्रासाउंड, आदि मशीन आए दिन खराब कर दी जाती हैं और लंबे समय तक मरम्मत नही की जाती। इस प्रदर्शन मे शिव प्रसाद सेमवाल,राजेंद्र पन्त, सुलोचना ईष्टवाल, राजेंद्र गुसाईं, संजय डोभाल, बिनोद कोठीयाल प्रमोद डोभाल,विशन कडारी, भगवती प्रसाद नोटीयाल, सुरेंद्र चोहान,संजय कुमार, प्रवीन कुमार, गोविंद अधिकारी, सुशिला पटवाल, मीना थपलियाल, रचना थपलियाल, शैलबाला ममगाई, पदमा रोतेला, मोहिनी खाँकरियाल, यशोदा रावत, आदि उपस्थित रहे।

देहरादून में रिलायंस शो रूम में हुई लूट की घटना में शामिल 2 अभियुक्तों को दून पुलिस ने किया चिन्हित

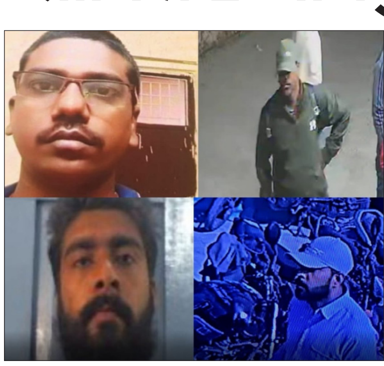

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। राजधानी में रिलायंस ज्वैलरी शोरूम में हुई लूट की घटना में विभिन्न टीमें गैर प्रान्तों में अभियुक्तों की धर पकड हेतु निरन्तर प्रयासरत हैं। उक्त घटना में अब तक पुलिस द्वारा 02 अभियुक्तों प्रिंस कुमार पुत्र शिवनाथ सिंह, निवासी दिलावरपुर गोवर्धन, जिला बिदुपुर, बिहार तथा विक्रम कुशवाहा पुत्र राम प्रवेश सिंह निवासी दिलावर गोवर्धन, वैशाली जिला वैशाली, बिहार को चिन्हित किया गया है, जिनकी धरपकड हेतु पुलिस द्वारा बिहार व अन्य प्रान्तों में लगातार दबिशें दी जा रही हैं। दोनो अभियुक्त बेहद शातिर किस्म के अपराधी हैं, जिनके विरूद्ध अन्य प्रान्तों में संगीन अपराधों के कई अभियोग पंजीकृत हैं। अभियुक्त प्रिंस के विरूद्ध जून 2020 में अपने साथियों के साथ मिलकर अपने गांव दिलावरपुर गोवर्धन की मुखिया पूनम देवी के पति लव कुमार सिंह की गोली मारकर हत्या करने के संबंध में थाना बिदुपुर, जिला वैशाली में हत्या का अभियोग पंजीकृत है तथा अभियुक्त विक्रम कुशवाह पर थाना सदर हाजीपुर जिला वैशाली में हथियारों के दम पर सुबोध पासवान नाम के व्यक्ति का अपरहण करने तथा उसे बचाने आये ग्रामीणों पर गोली चलाकर जानलेवा हमला करने के संबंध में अभियोग पंजीकृत है। इसके अतिरिक्त उक्त दोनों अभियुक्त 14 जून 2023 को सांगली महाराष्ट्र में रिलायंस ज्वैलरी शोरूम में हुई 14 करोड की लूट में भी सांगली से वांछित/ प्रकाश में आये है।

उत्तरकाशी में हुए टनल हादसे पर राज्य में गरमाई

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। उत्तरकाशी में हुए टनल हादसे पर राज्य में सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने इस मामले की राष्ट्रपति से उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस मुख्यालय देहरादून में पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मंत्री प्रसाद नैथानी ने प्रेसकॉन्फ्रेंस की......इस

दौरान उन्होने बताया कि वह खुद घटना स्थल पर गए थे। इस दौरान उन्होने पाया कि कंपनी की ओर से गुणवत्ता का कोई ख्याल नहीं रखा जा रहा है। साथ ही सुरक्षा के भी कोई इंतजाम नहीं किए गए हैं। उन्होने कंपनी को ब्लैक लिस्टेड करने की सरकार से मांग की है। बता दें कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कांग्रेस वरिष्ठ नेता मंत्री प्रसाद नैथानी की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया था। इस कमेटी ने स्थलीय निरीक्षण कर पाया कि कंपनी की लापरवाही और खराब गुणवत्ता हादसे की बड़ी वजह है। वहीं कांग्रेस ने उच्च स्तरीय जांच की रिपोर्ट आने तक टनल में निर्माण कार्यों को रोकने की मांग की है।

देहरादून शहर से अब डीजल बसें होंगी बाहर, सीएनजी और इलेक्ट्रिक बसों की होगी एंट्री

मुंबई हलचल/ वैभव पेटवाल

देहरादून। देहरादून शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण को कम करने, आमजन को सुविधाजनक और आरामदायक सफर उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने शहर में दौड़ रही डीजल सिटी बसों को बाहर करने की तैयारी कर ली है। डीजल बसों के स्थान पर शहर में केवल सीएनजी व इलेक्ट्रिक बसें चलेंगी। इसके लिए सिटी ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (सीटीसी) का गठन किया जाएगा, जो उत्तराखंड परिवहन निगम के अधीन रहेगा। वर्तमान में स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत संचालित हो रही 30 इलेक्ट्रिक बसें भी सीटीसी के अधीन ही संचालित होंगी। नई सीएनजी या इलेक्ट्रिक बस लाने पर ट्रांसपोर्टर को सब्सिडी देने की तैयारी चल रही है। शहर में सार्वजनिक परिवहन सेवा में सुधार के लिए गुरुवार को सचिवालय में मुख्य सचिव डा. एसएस संधु की अध्यक्षता में यूनीफाइड मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (यूएमटीए) की बैठक हुई। इस दौरान स्पेशल परपज व्हीकल (एसपीवी) के गठन पर चर्चा हुई। इसके तहत प्रारंभिक चरण में देहरादून शहर, जबकि अगले चरण में ऋषिकेश, हरिद्वार, हल्द्वानी, नैनीताल व काशीपुर में परिवहन सेवा में सुधार पर मंथन हुआ। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वह पिछले एक वर्ष से शहर में सीएनजी सिटी बसों के संचालन की कसरत कर रहे हैं। इसके

लिए सिटी बस संचालकों के साथ पिछले वर्ष बैठक भी की जा चुकी है। अधिकारियों ने बताया कि बैठक में जब शहर में डीजल सिटी बसों के बदले इलेक्ट्रिक सिटी बसों के संचालन का प्रस्ताव रखा गया तो सिटी बस संचालकों ने इसे सिरे से नकार दिया। उनका कहना था कि वह एक से सवा करोड़ रुपये कीमत की इलेक्ट्रिक बस नहीं खरीद सकते। हालांकि, सीएनजी बसों पर उन्होंने सशर्त सैद्धांतिक सहमति दे दी थी। शर्त यह थी कि स्मार्ट सिटी परियोजना की इलेक्ट्रिक बसों की तर्ज पर सिटी बस संचालकों को भी सीएनजी बसों में सब्सिडी दी जाए। इलेक्ट्रिक बसें संचालित कर रही निजी कंपनी को स्मार्ट सिटी कंपनी की ओर से प्रति किमी 67 रुपये भुगतान किया जा रहा। सिटी बस संचालकों की मांग है कि सीएनजी बस खरीद पर उन्हें 50 प्रतिशत सब्सिडी दी जाए। संचालकों ने बताया था कि सीएनजी की 25 सीटर बस की कीमत लगभग 25 लाख रुपये है। सब्सिडी के तौर पर सरकार अगर साढ़े 12 लाख रुपये देती है तो वह सीएनजी बस लाने को तैयार हैं। ट्रांसपोर्टरों ने सूबे में पर्यटन विभाग की ओर से संचालित वीर चंद्र सिंह गढ़वाली योजना के तहत भी सिटी बस संचालकों को चार प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने की मांग भी रखी।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

डॉ. संतोष पांडे के रेजुआ एनर्जी सेंटर की नई शाखा के उद्घाटन पर कुब्रा सैत, अर्जुन फिरोज खान, मेधा मांजरेकर की उपस्थिति

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। सेक्रेड गेम्स की स्टार अभिनेत्री कुब्रा सैत और धारावाहिक महाभारत' में अर्जुन का किरदार निभाकर मशहूर हुए एक्टर फिरोज खान ने डॉ. संतोष पांडे के रेजुवा एनर्जी सेंटर की नई शाखा का उद्घाटन किया। यह नई ब्रांच ताड़देव स्थित फिल्म सेंटर की पहली मंजिल पर मौजूद है। इन मुख्य अतिथियों ने रिबन काटकर इस सेंटर की ओपनिंग की। इस अवसर पर महेश मांजरेकर की पत्नी मेधा मांजरेकर सहित कई और मेहमान मौजूद रहे। महाभारत के अर्जुन फिरोज खान ने सभी को दीवाली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रौशनी के इस पर्व के शुभ अवसर पर डॉ संतोष पांडे ने ताड़देव में रेजुआ सेंटर की नई ब्रांच खोली है। इस सेंटर ने हमेशा नई नई चीजों का अविष्कार किया है। रेजुआ ने आज अपना एक अलग मुकाम बना लिया है।

डॉ संतोष पांडे को मैं अपना छोटा भाई मानता हूं और उसकी वजह से मैं यहां उद्घाटन पर आया हूँ। वह एक बेहतरीन डॉक्टर होने के साथ साथ एक बहुत बढ़िया इंसान हैं। वह अद्भुत ऑक्युपंक्चरिस्ट हैं। मैं नेशनल बॉक्सिंग चैंपियन रहा हूँ, मुझे कंधे की बीमारी हो गई थी और मेरा दायां हाथ पूरी तरह ऊपर नहीं उठ पाता था। मैं डॉ संतोष पांडे के पास आया, इनके हाथों में जादू है उन्होंने मेरा हाथ कंधा ठीक कर दिया। मैं उनके रेजुआ सेंटर की इस नई ब्रांच के लिए उन्हें दिल की गहराइयों से शुभकामना देता हूँ। महेश मांजरेकर की पत्नी मेधा मांजरेकर ने कहा कि संतोष पांडे ने साइंस और स्प्रिचुअलिटी का बेहतरीन संगम किया है। हर तरह के दर्द से वह राहत पहुंचाते हैं और प्राकृतिक ढंग से बिना दवाओं के इलाज करते हैं। उनकी इस नई शाखा के लिए मेरी ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं।

बता दें कि यहां एक्यूपंक्चर, एक्यूप्रेशर, डाइट थेरेपी, कपिंग थेरेपी, हाइड्रोजन थेरेपी, साउंड मेडिटेशन हीलिंग, कॉस्मेटिक एक्यूपंक्चर, फिजियोथेरेपी सहित कई प्रकार की सर्विस उपलब्ध कराई जाती हैं। सेलिब्रिटी गेस्ट कुबरा सैत ने कहा कि यहां आकर मुझे बहुत ही अच्छा महसूस हो रहा है। डॉ संतोष पांडे बहुत ही अच्छे और खुशनुमा इंसान हैं। उन्होंने मुझे बहुत सारी खुशियां दी हैं इसलिए मैं सभी से अपील करूंगी कि अगर आपको जिंदगी मे खुशी और राहत चाहिए तो आप रेजुआ सेंटर आ जाएं। डॉ साहेब के पास कुछ ऐसी चीजें हैं जिससे आपको बेहतर महसूस होगा। तो दरअसल यह वेलनेस सेंटर है जहाँ आपकी जिंदगी और आपकी सेहत को बेहतर बनाने का कार्य किया जाता है। डॉ संतोष पांडे ने कहा कि कुबरा के साथ मेरा एक खास रिश्ता है। हर सुख दुख में हम शामिल हैं। हाल ही में कुबरा को साथ लेकर हमने साहिल समुंदर की सफाई करवाई। डॉ संतोष पांडे ने आगे कहा कि एक्यूपंक्चर के साथ साथ यह नेचुरोपैथी सेंटर भी है। यहां हम पेन मैनेजमेंट के लिए कई नई पद्धतियों का भी उपयोग करते हैं। इसके नाम से ही पता चलता है कि यह रेजुएशन की बात करता है। हमारी कोशिश है कि लोगों को मानसिक, शारीरिक, आध्यत्मिक और भावनात्मक रूप से राहत पहुंचाई जाए। फिलहाल इसकी शाखाएं दादर, सांताक्रुज, ताड़देव और पवई में है। हमारे यहां की चिकित्सा बहुत महंगी नहीं है।

पाचोरा में नूर ए खांनदेश ट्रस्ट द्वारा ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के स्पोंसर में इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग सेंटर का हुआ शानदार उद्घाटन

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

पाचोरा। महाराष्ट्र के पाचोरा में ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के स्पोंसर में नूर ए खांनदेश एड्युकेशनल वेलफेयर ट्रस्ट मुंबई द्वारा 6 नवंबर 2023 को मस्जिद ए इब्राहिम के हॉल मैं कंप्यूटर लैब और टेलरिंग क्लास मैं तैयार ड्रेसिस का एक्सहिबिशन इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग सेंटर का ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के प्रेसिडेंट इकबाल मेमन ऑफिसर की निगरानी मे सेक्रेटरी अब्दुल अजीज भाई मच्छिवाला साहब के हाथों से रिबीन काट कर शानदार उद्घाटन हुआ। इस मौके पर मुख्य महेमानों में ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के सेक्रेटरी अब्दुल अजीज भाई मच्छिवाला, जोइंट सेक्रेटरी युसुफ भाई मलकानी, एप्लिफ्टमेंट चैयरमेन साकीर भाई बाटलीवाला, समस्त मेमन जमात जलगांव के प्रेसीडेंट कादर भाई टिक्की, लेडीज विंग के नशीमा बाई सुरती, शेरबानुं गुल्लर, समस्त जलगांव मेमन जमात के लेडीज विंग के प्रेसिडेंट मिनाज कादर भाई टिक्की, गुलबूटे के एडिटर फारुक सय्यद, गनी भाई बीबा, हुसैन भाई बीबा, गुलाम मिठु परभनी, प्रोफेसर सज्जाद अहमद हैदराबाद, शकील भाई टिक्की, आशीफ भाई विछी, साकीर भाई चित्तलवाला, नईम भाई धोराजीवाला, के साथ साथ पाचोरा, जलगांव, भडगाव के कई नामी गिरामी सख्सियात मौजूद रहे। वहीं ग्राउंड पर मंडप मैं शानदार प्रोग्राम हुआ जिस मैं नूर ए खांनदेश के प्रेसिडेंट मिर्जा निसार बैग, सेक्रेटरी सययद सादिक अली, वाईस प्रेसिडेंट अखलाक खान, मैनेजिंग समिति मेंम्बर रफीक शेख, लोकल, कॉ-ऑर्डिनेटर वकार अजीम नूर ए खांनदेश पाचोरा ब्रांच के हेड जनाब अल्लाउद्दीन सेठ, कंप्यूटर टीचर शैख अब्दुल अली, टेलरिंग टीचर पाचोरा जोहरा बेगम, टेलरिंग टीचर भड़गाओं आसिया खान, और पाचोरा क नूर ए खांनदेश के 200 से जयादा जेनटस और लेडीज मेंम्बर्स नकाब मैं मौजूद थे जलगांव से नूर ए खांनदेश . के डिस्ट्रिक्ट कॉ-ऑर्डिनेटर साजिद शेख मेमन जमात के खास मेंम्बर्स हाजिर थे। नूर ए खांनदेश के वाईस प्रेसिडेंट अखलाक खान ने आए हुए सभी महेमानों का इंट्रोडक्शन दिया सभी महेमानों का शाल पहना कर निसार बैग, सयद सादीक अली ने इस्तकबाल किया। निसार बैग ने नूर ए खांनदेश का इंट्रोडक्शन करते हुए बताया की 11 प्लेसेस पर टेलरिंग क्लास के इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग सेंटर भुसावल, सवदा, फैजपुर, यावल, सकाळी, चोपड़ा, अमंलनर, भड़गाओं, पाचोरा, जलगांव,जामनेर, मैं क्लासेस शुरू है।

नूर ए खांनदेश एड्युकेशनल वेलफेयर ट्रस्ट मुंबई ने ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन की मदद से फैजपुर जलगांव, पाचोरा, और भड़गाओं मैं कंप्यूटर क्लासेस भी चला रहा हैं। इसका हर महिने का खर्च ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन की तरफ से 57000/- जनवरी 2023 से मिल रहा है। इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग सेंटर के टेलरिंग क्लासेस मैं 1400 लड़कियों ने कोर्स पूरा कर के अपने लेवल पर टेलरिंग का काम कर के कुछ पैसे की इंकम कर रही हैं। कंप्यूटर मैं 250 लड़कों ने MSCIT के कोर्स पुरे किए हैं। जहां नूर ए खांनदेश एड्युकेशनल वेलफेयर ट्रस्ट मुंबई तमाम स्टूडेंट्स को फ्री कोचिंग दे रहे हैं। प्रोग्राम मैं ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन के प्रेसिडेंट इकबाल मेमन ऑफिसर ने स्टूडेंट्स और टीचर्स के काम की तारीफ की और अपने हाथों से ऑल इंडिया मेमन जमात फेडरेशन की तरफ से स्टूडेंट्स को सर्टिफिकेट रीडिंग के लिए बुक्स दी। सभी टीचर्स को सर्टिफिकेट, शाल, स्कार्फ, दिए और बताया कि स्टुडेंट अपनी काबिलियत दिखाएं और अच्छे डिजाइनर ड्रेस बनाएं ताकि आपकी आमदनी में इजाफा हो सके सुरत में नशीमा बाई सुरती इंडस्ट्रीयल ट्रेनिंग चला रहे हैं और वहां की लड़कियों को तालीम दे रहे हैं आज सुरत की लड़कियां अपने सोहर से ज्यादा महिने में 20 हजार से 25 हजार कमा रही हैं। और आगे चलकर जब भी जरूरत पड़े तो नशीमा सुरती से मालुमात हांसील करें। प्रोग्राम के अंत में वोट ऑफ थैंक्स के साथ प्रोग्राम का समापन हुआ।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

New **Beginnings** New **Memories**
New **Home**

i-stay® BY STARWING
Marol Andheri East

STUDIO HOME Fully Furnished	₹59.95 LACS*
1-BHK HOME Semi Furnished	₹1.25 CRS*

DUSSEHRA OFFER
₹2 Lacs Discount
to Empower Women

Strategic Partner:
KESHAV ESTATE CONSULTANT
SINCE : 1990
RERA NO : A51700045892

keshavestate@gmail.com

CONTACT
9820961360
9967119955
9820441545

RERA NO: A51700045892